

[This question paper contains 4 printed pages.]

Sr. No. of Question Paper : 5967 F Your Roll No.....

Unique Paper Code : 227303

Name of the Paper : Economic History of India : 1857-1947

Name of the Course : B.A. (Hons) Economics

Semester : III

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Attempt any **One** from section A and any **Three** from section B and **four Questions in all.**
3. Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. एक प्रश्न का उत्तर खण्ड अ से तीन प्रश्नों का उत्तर खण्ड ब से देना है कुल चार प्रश्नों के उत्तर देने हैं।
3. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Section A खण्ड अ

1. Did the stagnant per capita income and unchanging structure of workforce in the first half of the twentieth century indicate that the India economy was stagnant?

(15)

क्या बीसवीं सदी के पूर्वार्ध में स्थिर प्रति व्यक्ति आय एवं श्रमबल के अपरिवर्तित संरचना से यह संकेत मिलता है कि भारतीय अर्थव्यवस्था गतिहीन थी?

P.T.O.

2. Discuss the changes in the direction and composition of India's foreign trade in the colonial period. What do they imply about the role of India in the British imperial structure? (15)

औपनिवेशिक काल में भारत के विदेश व्यापार की दिशा एवं संरचना में परिवर्तन की व्याख्या कीजिए। ब्रिटिश साम्राज्य की संरचना में भारत की भूमिका के बारे में ये क्या सूचित करते हैं?

3. Do you agree with the view that India lost out on the opportunity for industrialization twice and paid a heavy price for the policies of her colonial government – the first occasion was the coming of the railways and the second was the Second World War? Discuss (15)

क्या आप इस विचार से सहमत हैं कि भारत ने दो बार औद्योगिकरण के अवसर को खो दिया और उसे औपनिवेशिक सरकार की नीतियों के लिए भारी कीमत चुकानी पड़ी – पहला अवसर रेलवे का आना और दूसरा द्वितीय विश्व युद्ध था? वर्णन कीजिए।

Section B खण्ड ब

4. The year 1921 is considered a landmark year in the demographic history of India. Why? Discuss the various hypotheses to explain the phenomenon. (20)

भारत के जनसांख्यिकीय के इतिहास में वर्ष 1921 को एक 'मील का पत्थर साल' माना जाता है। क्यों? इस घटना की व्याख्या करने के लिए विभिन्न परिकल्पनाओं की व्याख्या करें।

5. What were the main types of agrarian classes in India under the British rule? Discuss their condition with reference to the colonial land settlement systems, subsequent regulations and the interplay of market forces (commercialization). (20)

ब्रिटिश शासन के अधीन भारत में कृषिक वर्ग के मुख्य प्रकार कौन-कौन से थे? औपनिवेशिक भूमि बन्दोबस्त प्रणाली, इसे संबंधित नियमों एवं बाजार शक्तियों के परस्पर क्रिया के संदर्भ में उनकी परिस्थिति की व्याख्या कीजिए।

6. Explain the role of prevailing ideological structures and imperial imperatives in shaping the contours of the famine relief policy and its implementation in the second half of the 19th century in India. (20)

अकाल राहत नीति एवं 19वीं सदी के उत्तरार्ध में भारत में इनके कार्यान्वयन की आकृति को आकार देने के वैचारिक ढांचे और प्रचलित राजसी अनिवार्यता की भूमिका की व्याख्या कीजिए।

7. Do you think that caste and non-modern traditions of both the capitalist and labouring classes proved to be obstacles for industrial transformation of India in the colonial period ? (20)

क्या आपको लगता है कि पूंजीपतियों और श्रमिक वर्ग दोनों के जाति और गैर आधुनिक परंपरायें और औपनिवेशिक काल में भारतीय औद्योगिक रूपांतरण के लिए बाधा साबित हुआ है?

8. Do you agree with the view that there are several dimensions to de-industrialization in nineteenth century India, which have been neglected and the debate on de-industrialization has adopted too narrow a focus? Give reasons. (20)

क्या आप इस विचार से सहमत हैं कि 19वीं सदी के भारत में अनौद्योगीकरण के कई आयाम हैं, जिनकी उपेक्षा की गई है और अनौद्योगीकरण पर बहस को अपनाकर इसे संकीर्ण किया गया है? कारण बतायें।

9. Analyze the importance of the phenomenon of the recurrent export surplus of India to the British Imperial system and its impact on the colonial economy of India. (20)

भारत के लगातार निर्यात अधिशेष का ब्रिटिश शासन प्रणाली के लिए महत्त्व और औपनिवेशिक काल में भारतीय अर्थव्यवस्था पर इसके प्रभाव का विश्लेषण कीजिए।